TECHE UDINE

MANOSCRITTI

FONDO PRINCIPALE

Manoscritto n. **P_MSS_4403**

Nel Fondo Principale sono confluiti la maggior parte dei lasciti manoscritti pervenuti alla Biblioteca Civica «Vincenzo Joppi» nel corso del tempo: si tratta perciò di un fondo composito nel quale è possibile trovare manoscritti di argomento liturgico, scientifico, giuridico, botanico e altro.

Collocazione:

Biblioteca Civica "Vincenzo Joppi", Udine
https://www.techeudine.it/fondo-principale
https://www.sbhu.it/

॥५॥ ढाल बीवादलानी ॥ ॥ शासनदेवी अपाय प्रणमेवीय सुगुरु मतिपद कमादलडवर मातासरसति तणऊं पसी सुपसाउलइ ग
यमिरिष सवावाहलउ ॥ मेरसं वतरमलवदिवस दूर गावइ तखिअण मातलउ प धणकणकं चणराज राणी मम स्विउ परलविकल बी
जमगि सउण ॥ १ ॥ ढूटक ॥ पनीगीसातल सकलकलई जाणवाट इवालीउ धर्मसार सारथपतिसु गुरु सिउ ॥ तामवर माथ्याबीज चउ
मासिलागीहरी जोगी बालि विकाइ नखिल दष ॥ कदम कआ सारकरतो ॥ लोकसम तिलक गिरुअइ ॥ २ ॥ श्रीयधर्मघोषसुनिबकम्प रि
वारफं. न. उपवामद्यणाकरुअ णमा मद्विर्क्रतणइ अनइ धनतनवमाहि साथतिग्रंय वितनधरस्यउ ॥ वउप अणगार एनजीइम स्तु
मस्थयानकरीअ क्षिपमार ॥ त्रिवह्यस्नातिजाइदा नफासस्व्रविद्रे ॥ बा पिसि उअपराधवारवार ॥ ३ ॥ इमवारवार विमासतानवस्
रश्ब किरणपरा टथया ॥ सुगुरु नइ आमूत्रवानइ धम्मसारथपतिमा ॥ या आति ता वसावा श्रतसिरावी ॥ सारसम्यकपामिउ
वीजयस्तवितह्र रकसमाहि ॥ युगलधमइ आविउ ॥ इलउ सवी ॥ नी ॥ विविपल्योपमपाग वी ॥ सुथम तणावरतीरा
वीजइ पल विअवतरीअउ ॥ सुरुसुधर्मसंजोग ॥ एजउयइस विमहा विदहमाहि विजयगंधलावती ॥ नामहु द्वार गिरप
मइ ॥ गंधमसिधपुरगाम ॥ ४ ॥ महावलराय तिहाऊ आना स्तिमत अति वर स्वयंसुबमनीतेहनइ ॥ श्रीजिनधर्मअखंड ॥ ज्ञ
एक दिव सिस्वमंदु हिंना जिअउ नाटक रंग ॥ वादकरी अनइ कुमरनंद रउ. नइ ... रंग ॥ ५ ॥ सुरु अस्तराय मंत्रीकहइ
मोसलिसुबुविवेक ॥ नम्हआ ऊपुसद्यपुरुइमकहि मासइ एक ५ तेणिकारण मइ साजीवनाटिकआज नरेंद ॥ हिवइ जीम
जाणउ तिमकरउ मात नज्जोन नइहद ॥ ६ ॥ ढाल मलाला ॥ नउराय मनिहि विमासइ ॥ कि सिउ करि सिए कमासइ
सुईए नव आलइ साउ न बंधीमपालइ ॥ ॐ विषयासराती ॥ ऊनन मन जाणिउ जातउ ॥ जम फूरंतां ए दुषसरी काउ 1
उरुमरण मंत्रीसर ७ ॥ मं वरते एड ममदुष करउ ॥ हिवउ अहि आतमाहित करउं ॥ एक दिन वाल्विवयोगि ॥ पामई नेम

श्री नकसोग ३ करीअणहीमरोसव॥ श्रीजिनमंदिरतत्र लिइ संथाराएदाक्षा करइ मंत्रीस्वरसिद्धा ४ अनशनपालियसार स्वगि
ईशानमझार तिहांललतांगथया सुखर सयंप्रभातसुष रिआपवर ५ तेनिमिर्नामिकाजीव ते हसुप्रभअतीव तिश्रेयांसकुं
मार जिऊसी प्रथमदातार ६॥२६ ३ ढालचंदलानी॥ ढछइएतखिमरूविदेहमाहि लोहागरवरसार वज्रजंघ राय तिहां
हांऊआ सुगुणसरूपऊदार १ धनधनवज्रजंघनरवरू धनतेश्रीमतीनारि रूपइतणइघुरिजेऊसी श्रीश्रेयांस
कुमार २ रूपदे स्वयंप्रभ साजीवतिअवतरउ नयरीपुंडरी तिणामाहि वज्रसेन चक्रवहिनइघरे श्रीमतीऊअराजा
य ३ धनश्ऊमरीपरवरउ वसंतरउ प्रियंगुपे मअपार परी॥ वनवककतऊउमिलइ मउपरणिसिसुविचार ४ करीप्रत
ज्ञामूनिरही धावइकरीउपाय पटिलिषी परववलनविरी लहउतिवज्रजंघराय धनश ५ परषइतेबेऊपरणाबि
आपदतानिजपुरिआप वरुतइपषिडिमचांदलउ तिमवाधइतेऊप्रताप ६॥२२॥४ ढालस्वामीसुपन्
मासलि वइरसेनरायनइव्रतलीउ १ निश्चिपुत्रनइराड सिमललदीउए तीछकरपदपामीआप आव्यकमे
नावयरीनामीआप २ छत्रतेपरबलरहाविरउए तववज्र यजंघरायबोलावीमुज्झ वत्रंगदललेइआ वालीआप
तववइरीसविनामीगयाप ३ वलतांमुनिवरवादीआप होइके वलीमनिआणंदीआप श्रीमतऔआधवतेवज्रए वांदीनइ
वालीआतेसलए ४॥२५ सरसतिसामणिकरउपसाउ ए ढाल ६ मारगिनरवरराणीअसाथि जंपइएइमित्रअवइरागसिन
ए धनएमुनिवरनादनजाल ऊअहा वारिजपालइनावमि चूटकाालावसपालिउजाणि पामिउकेवलनाण ऊविषद
नरू रत्ननवलऊउएनवजडू एहतवडाणिवजाइत उनरपाव इइज लोलिवउ आगइश्रीजिणधर्मपाषइकरतोअनेत
वेरालखिउ १ छिवइऊअयरिजरेउअराऊिछवी वारिअलिसउअअमतिजीतोग श्रीमतीपत्तणइऊअरूसापिअरेलेइ

लिउ मउमहतनपतणाहीयोग त्रूटक इमयोगकरिवातातं आवीउ निजघरिराउ तिसिनीऊनावइसेजिराणिअरा
आहे जि राणीयराजामनिहिवितइ किमइदिनकरऊगमइ घरवासछेकालिउवारित्र भालरइमेनिइसंगमइ २ इस
करिपउदिआरायनराणी मे भुननजाणइ तेरुयरि राजनवलोलिउलिसित्तरिआवीउ वियधूमकोधउसुयणघरि
त्रूटकं खिमधूमपयउव्यापराइयनछेलिआप दोईजणकालकरंतिजुगलातिहांपाऊंतिजुगलीआतिहावीकालक
रीनइऊआसोहमसुरवरा आठमउत्तविआऊषतजिनवर थया तोगनोगीसरा ५॥२७ ढालस्वामीबाला न उ
नवमइतववहिवइसातलउप महाविदेहे सषक्षित्रमस्का रि वज्रविजमधणकणकंचणतरिए प्रभंकरातिरवि
इविसाल केसवखिहतिहांकणिऊआय मित्ति आयता मआरेइमित्रराथसुतमंत्रसुतसेएहुत्रवेनदनय
सारथपतिपुत्र एकमिलीयातिवेद्यघरइ १ त्रूटके तेविघनइघरिआविया तवविहरताश्रीमुनिव
र कुमकोढसगलुसरीरव्यापं तउहिअषधूनखिकरा ते मित्रव्यारिवेद्यनइकरूइ लाककधनषधउपाम
नियतीनीसारकोजइ एहमागलाधउ वेद्यकहइतम्हिसां सलिए २ मादरइशानयोजसकदोई रतनकंबलबावन
चंदनउराकोतिआएहि णिहाटतिहोय्इ तउतेव्यारिकेवायया ए एकजश्या तर रविवारनकरूइसाधुपठिमसनो
करसिंएसषीजनमपखित्र आपणपुइमताविसंइ ३ तातिमिंएहवावचमनिसुणा सतम तिआणंदीयउमतेमालपाप
इ वसडदेई नावनावइनाविय अतेक्रमरनावऊनावदषी वइरागइवाविलीयउ केवलपामीमुनतपऊता थे
१ वबसपलाकीया ४ ३ २॥ ढालवमउलेसालीमउ ६ सवरिहंघावेआवीयारि वनमहिसाधुनइपासि १ रिष २

॥ए६॥

लो

नउवेखासवकरइए ३ोकइएकमेनीकेरि मसउभ्यपो तेहनउ ... अकपी मर्दनटेइतेलसुं० काढीयाकोट नाजीव रिषए २
ननकेबलमिरिवादियनुप वदनेलगाडियउअति ३ रिषए जीवअनेखित परणवाए इमकरनासाधुनभेराम ५ रिषए सा
धुनउधर्मयावइकरइए ६ ८ उश्रीयासमनजीव रिषए ६ वारमइकल्पिते सुगु[illegible]ाए दसमइ सवेलि नराय रिषए ७
दाल आदि नरायऊ पऊ तालाजाम ७ इयारमइ सविमस विदिदमांहि इडरीकिणीनयरी तिहांवाहि वमरसेननरव
रराजकरति जिनजीवचक्रीनामऊ मरदवंति १ बाहुसुवा ऊपीठम तपाटथरि परवमित्रतसबांधवआदि वमरा
मरायातत्रअछइतिएद वालिवलीयनकरऊ मरमहिव ३ वऊनामराजाराज्यकरंता चक्रक्रियननेषट पंडजीता
साधुवेयावच्च नएुंएहजुण्य पाबवांधवविलमइधन्य ३ सिहिरिलायप्रवघरवासि पाठइपितातीर्थंकर
पासि पात्रइवांधवलिङ्गआवस्वि हादसांगमनगाइयरूल उपक्रउ ४४ दालकलाला वीसथानकवसेवी
तपजपवऊलकरेवी तीर्थंकरपदबांधइ इमतेआतमा साधइ १ बाऊवेयावच्चनितकरइ चक्रवर्तिपदबांध
तीधरउ ऋतिकुमिकरइयसुवाउ बाऊंवलवाधइ सेमाऊ २ पाट मदा पाटदोइ करइ अदेषाई मोहि लीक मतेगाइ
बांधिउं कस्तिनआपणुलाधुंगा ३ ८८उश्रेयासनउजीव अमरानकरीरीअतीव हाकथाअनुत्तरसुरवर तिहां
आऊतेत्रीससागर ४ ४० दाल ११ जंबुद्वीपदलरतपसि पर्वतवैताढिबइनामएति दप्षीद द्रूणद मिलणी सात
कुलगरकेरागमइए २ विमलवाहनपहिलउकुव चक्रकुमाजसवंतनामए अतिवंद्रप्रसेनजितसही मरुदेवब
ह नत्रतिरामूए मातिकुलगिरिअछइसातमउ नाभिदेवीतसुघरिनारी ३ २ रूपसोनाय इएआगलीसीलवंतअनइ २

सदाचारीए वइरनाभजीवसुखवीव आसाढीवहुलचउथिअवतरीयाए उत्तराषाढिनक्षत्रयए मरुदेवीकूखिअवतरियए व
माहि मरयणीनइ नरिदे षइसुपनदसयाकरा प्रभाति कारीप्रियनइ कहइ इसउअसप्नसुपनविवारूया ५ ५ २ दालमे
हलानउ धवलसबलसोहामणउरे वृषभषदिलउदार कऊ वउ ऐरावणसमउरे बीजउ २ गयवर दीठउ १ दीग
सामीमइसुमिणफलए सुपनतणाउफलएहतणुं जयगुरि निश्चि सुतसिद्धि जनमसिउए कुलगर २ माहि प्रधानउ २
दीगए सोहआतिहिआवीदुतउगर सुजउ वेगि वाम लाछिअतिलीलाकरीती मुक्तघरिमाहिपइ उ तउ ३ दीगए
सहस्रकिरणअतिदीपतो रे सातमउ तिडोउमाल था सोहउप विश्वजालकइ जल उरअतिहि विशालतउ
५ दीगए ऊगमपरमलअतिभरूमरुती फूलमाला सार अतिसोमसीतलअमीकरतो ८ ८उ २ वंछकंद
रसमन ४ दीगए उष्णनासंनारसिरखउ वीउष्हरा पोकंस पदमसरोवरजवकनरिक कमलइ रकरी
वाझौयातउ ६ दीगए अतिअमानह कहकलरिषु दीठउ मागरहीर सुरविमानपूमरिजकांमीयरातनि
उगमतउ ७ दीगए अतिअमूलिकरतननीर रासिमिउ विरासु अमिझालकरंतदीषजागी अरक तऊं आगतउ ८
दीगए डिसिमनोरथिऊ १३ अतदिवससुतजमीनउमाहमां यइ वे [illegible] मादिन्याय मिदि निधनरासिंशा वित्र
वीन सीतसमारणवाइ जए १ जनमकालिविश्रुवनसुषीकथयं नानिकुल विरि[illegible] रवभाय आसकंपइए दिशायअ
मारिउं अवधिज्ञानइ जिननिरषीआए २ उपलकमरीयपक्रीमिली पमइआवइउ नमघरिअलासइए माईपएअ
लागिअअनमतिमागी सतकर्मकरइअसम मी ३ नालीअधोइआअगपरवालिय अन [illegible] रणपहिराविआए सेहि
पासइतेह सघलीअव्वइमइए धवलमंगलगीतगाईआए ४ ६ ३ दालघोभीनीएकतेज निधामी० टाउ ४ माईधन

सुपण्यसूधनजीवीतोराआजनुसकलसोनागीजनम्याश्रीजिनराज चिरजीवउताहरवनांनमाउ त्रिभुवनं रउराय अतय
उताहरवहलूअमृत सुरनरसेवइपाय १ हृयदृय बलिहारीतोरीकूषकली बलिहारइतोरावंसजिहांजगपरमेस्वर अवत
रीआरायदंस २ एहकुलतणउदीवउ तइकुलकलसवधायउ एहकुलमंमण जगजनतारणजायउ ३ सुर
असुरअनइकिंनरविद्याधरनकोडि एहतासकिंकर पायपकइकरजोडि ४ ज्ञातसाषापसरउ एहनणउपरिवार इमथव
लमंगलदियइबइठिपनकुमारि ६६ ७ प्ररिपठनसोजमतीय १५ ढाल हउंआसनकंप सुरपतिमनिकोपइव
डतए ज्ञाणिउजमनिणहर कोपमयलनपउपसमिन ए १ हरिषितमोदमइंइ सिघासणथीऊगीआए दोइकरजो
डीभारकरइसीसकस्तवकुजल्लसीय २ जममहहोत्र वकाजि हरणेगमिषीदेकारीउ एमि लिआसुरनीकोडि
घंटानउनादटंकारीआए ३ पालकविमानबइसे वि श्रीनालितणइघरिआविआए मरुदेवीपायला
गेवि इंद्रकरेअरुआरणीए ४ पंचरूपकरीसार मे रुशार्षिरिलेईचालीआए तिहांमिलिआइंद्रकरेयज
ममहिआसवेवरंगसिंए ५ घणागमनानीर कमलउफ नइवंदनूए सरसवकुसधीजाति स्नानानइकारणइआ
णीआए ६ आगमहअवउसविकलसकरइसुरपतिमलए हइीयणमीयदेवनाटिकमावरइसुरकूए ७ ७६ ढालफ
मफमकरयापघेणघणी १६ ईगानइइयालइलियइ नवस्नात्रकरइसोधमेरे हषनचारनाबाधी तिहांधारआवन्त
ममे १ नावइइंद्रआणंदसिं इंद्राणीगावइगीतरेदियइआसीसतेरूअमो चिरजीवउनातनाभूतरे २ नावए तिहांना
इइअंबरगाजीआ अनइनेरीनानाकाररे तिबलदमामवाजिआ वलीमादलनाधोंकाररे ३ नाचए इमजमनस ३
फलकरीआपणउ लेईचाल्याश्रीजिनराजरे मातायामइथापीआ इमकीधउकववकाजरे ४ नाए मेदीस्वरजात्रा

करी अनइस्वकृतानिजरगमि । जगजमनामनमोहता इमवाधइरिषवजिनस्वामिरे ५ नाचए । अनुवाधइसुरतरसारि
षा । मुरुदेवीअनालितेहरष्यां । प्रभुआवीम्यचकइरच । उछंगिमाइउमनरेलइरंगि । १ त्रूटक । एककरीगारमनअआगणि
वालइ कमलनयणजिणहूए । वयणिअमृतवाणिभरतउ जिसउघनमवंहूए सकलसुरवरअसुरकिंनरमिलीआव
इहूए एककरइकीलाकृषनसरसी । कुलगइमागिदूए २ अवसरिसोहमपतिआवइ सेलडीसरसएकल्यावइ हूव
इस्वामीतम्हलावइ तेसेलडीअस्वामीकरिगवइ । ३ । त्रूटके । करिसेलडीदिईवंसथपिउनामतसइक्ष्वागूए सबलय
सरउपृहवीमंडल आजलगिसोतागूए । योवनसतिश्रीरिष सआव्या । रूपसोहगसूंदरी । सकललिषमीतणउसागरव
यंमेवायकसुरतरूध प्रभुपांचसइधनुषसरीर देहसोव नवर्णसर । लक्षणदससइनइआगरसाल । लोचणहपत
उन्नंगविसाल । ४ त्रूटको उछंगसरलविशालनासा । कस कजलवणएप । धवलदंतसुपंतिसोहइजीसाश्रीकर
किरणए । नलवटिपंचगुणमालिइ अर्द्धचंद्रनिलामूए ग जराजगतिचालतउजिनवर । नदीयकहिनइपाऊए
५ जिनवरआहारनीहारकरंता । नदिकोइदेषइसुरनर । रता । जिननासासनीससुगंधी जेरवाउतपलकमलाना
गंधा । ७ । त्रूटक । कमलउतपलगंधसरीषा रुधिरमांससवेतणा । गाइदूधसमानउजल ईसाअतिसयरुडाघणा श्री तेत
गुणमणिरोहिणाचल जपइमयणवसिषीयए तेधन्नदिवसनइघटीअनोयम जिणनयणदेषीयए ८ । ७ ढालजाम
लउ ११ धीवाहअवसरजाणीनरि । सोहमइंद्रजाम । देवदेवीमविमिली काइकरिवीवाहउकाम १ सुरासुरआवइस
वेमिलेई । जिहांअवइरिषरजिनस्वामि । रूपलीनयरीअयोध्यागम । धननयरीअयोध्यागम २ सुरासुर भुवनधम

ती
रजातिमरे ध्वमानकनीकोडि सामानिकत्रंगरक्षक मिलिआ ।३ काईआवइ लिवईडीहि ४ सुरासुय ।इ इखालइअम्हेकरी
सीवावाह जनतुआजईद्राणीकहइ अम्हेकरसिकाइकल्यांनककाज ३ सुर सुय स्यणसोवनडा कितमंडप वेडु आवरसाल
गमरइ प्रतलीजाणे मयणतणीऊई आल ४ सुराय इत्यामरुपति दारयारे माहीयवन वाह जजइ सम्पकिवकरइ निर्मे
लवकाईइद्राणीनचनाहाय ५ सुराय ६ मनमणानवपडाल ११ सिंघासणघायेवि मणिमाणिकजडिआ रियसतइहव
णकरावइ सुरपतिवरखसु एमर्द नदेई अणसुगंधतेलसि वतेलआणनलक्षपाकवदतअगरतूए जिनऊपरिधरी
रागसु राग १ धीरसुमुडनरिसकलसेन्हवरावइलूहु ६ जिनजीतुंअंगा २ सुरपतिय रत्ननीरसिरूळी किरि
इंपत्तरावइकतेकं हलपद्दिरावइ ३ सुराय वरिपका वलिय बाहिअंगदसार मुजमीपहिरावइ ४ सुरप
इमआत्तरणसारस्वविअंगमोरावइसेवइ मतिआलवि सु रयतिय ४ ढाल ३ लालाना १९ कंकुमति लेकसि रि
करीआनयणे काजलसरीआ हुआवंद नअंगलाया अंति कगढणाकराया १ वंपकरहूलीनइजाई लालगुलाल मिला
ई कीअनवरगटोकर कंठिंकमलिखवइसुरवर सुरदेवीहरखनमाई अंवदइन्य पवाहि मिलिआगयणांगणदेवा वा
लइहिघततपरणेव[illegible]ढालवरवमार नाथजोडीअपाएलागीआ सुरपतिईकीधवगजराव रकंधिवमान्तववा
लीआ सुरपति सिजिनराव २ मिघाजंबर सिरविरि धरी असुंवच विशाली विकुंपरिववामरढालकइए गावइयां
तरमाल ३ लूणउवतारइयवंतरी यीतिषीकेरी अनारि ४ हयदलगयदलसखिमिली आवाइंद्राणीअबा रिउइ ४
१७ १ ढालजलदमक इंद्रकरूइइंद्राणीअ विगलेबाइरआवजा अम्हजनताघणीवारथइ काईतम्हे विलंबकरव

२ तोरणआबावरसयमोतीयघालवधावउ आघउदिअरिहंत नइ आरिमकारिमकरावउ तउइंद्राणीधसमसीवे गिले
वाछिरउहेता सोवनकरवीनीरसरीलेईअआवइ गदगरुमी ३ ११ ४८ ढालआवाविहि आघउदिराणीअइंद्रनी जिनवर्के
रहहाथि आघनदिकलहिसविमिला देवाकेफकेफि १ आयउविशादलीफवती करवीलेईयमार आघउदेवनइदक्षणके
री लूणऊतारइनारि २ ढालवकोजलेसालिउय तोरणेजिमवरवेघाआए घटिकूवलक्षकरिसादि १ इंद्राणीजिनताणीआ
य आणीयामालिरामाहि त्रिभुवनसलहरखआए २ पायघमरावसेजाविआए ७ वियामंलपवे ३ इंद्राणीय इंद्रवृजणइ
रूपइययाय साधीयालगननीवार ४ इंआय हाथमेलावउ तिलोकऊए गुरुदेवीहरपअपार ५ इंआय धवलमंगलगा
इअपछराए संतलइदेवअसरू ६ १२ ढालघोफानउय वधिमरखेघाफसकोएढाल १५ इकधिनरेरेमायकानी
कूष जेणइएहवरजामउ जेणइजिनतलहरसुणउ सघअखहिन अनइगोत्रउआहि १ एकधनरना
तिनदिह जसघतिएआयउजेणइअवरेरे धमकनककन कोभिअम इमंदिरनरामउ २ एकधनरेरसुमंगलास्
नंदा हिणइएहवरवरीउ जेणइपरणतइए अम्हमन हमनोरथसफलफलउ ३ एकधनरेरेअयोध्यागम हि
हाएहुवउइराणउ जेणइवधववइरे अम्हसरीआकाज अनइछनमप्रमाण ४ ११६ ढालनीमालाईएनउ २६ दे
वनीमेवा सिकरीएनीमालइए वाधीयवरीयसार विफलनीमालइएवाधीय वउराघमार १ जिनवर तिहां बइसारीआए
नीमालईएदक्षणपासइनारि २ पहिलउमंगलवरतीअउ एवरवऊ चवरी माहि इ सोवनकं तेसोलमणीएनामलइ
ए धनुषसयपंचसरीर ४ बीजउनमंगलवरतीअउ पनीमालईपरणइरिषजिनधीर ५ दातजिसादाफमकेली पनीमालई
गडगतिदरउदार ६ वीजुंमंगलवरतीअउ नीमालइयासइसुमंगलाना रि ७ रूपडिसीसुरसुंदरीइयनामालइए सील

ऋलो सोसणिगणगार ८ वउधवमंगलवरती त्रिपनामालइए परणीसुनंदारंगि हसहरा ऋढीकतीए नीमालईजोणे अपछरअंगि ८ आ
रेमंगलवतीआए नीमालीइ इंद्र तेपरो हित वेस सुनंदासुमंगलाथापीआए नीमालई जिनतणइ मावइ ऋामि ९ २५ ढा
लवइरसेनारायाव्रतलीऊऐ ५२ तिहांअनिनइ दिअइ प्रदिक्षणाए इंजमाणइ जिनकंनइवहणाए १ तिहांस्वामी
यअखि रूधनदिकुए श्रीसम किततिनिर्मलसुरकीऊए २ सुरवरसकुथयासाषीआएवरवल सहितऊवनिरषीआए इ
ऋकंसारमंगाविआए इंद्राणीइ वेगइ आणीजिरा ३ २२ कंसारनीढाल जिनआगलिलेअणावीअंतेसोवनरतनमइ
माखिकु १ साकरथमिादकमेलीयइ मादिअतिघणुंअम तनेलीयइ कंसारकपूरवासीयइ जिनआगलिघालते
अणावी अंतेसोवनरतनजमा विकु २ साकरथमिादकमे लीयइ महिअनिघणुंअमततेली यइ कंसारकपू
रवासीयइ जिनआगलिघालतिमिलीदलीयइ इंद्रा णीयबोलइ रुखसिंउ जीमइसुनंदासुमंगला
सुगालिसु २ इंद्रकंसारअतिमनवासिआकुयस्तजिणंद पवित्राउ तिणंइंद्रनीदकीआगलइए सुरकिनरस
कजीवामिलइ ३ ३ मइंजिनपरिणावीआ दोईकन्या लेईघुरिआवीआ ४ ढाल वेदलानउ १३ ८ २८ वंद
लउसोदउपुनिमि जेरुवनआसअमासि तिमजिनवरउईनारिमिउ आवइनिजआवासि १ सुरनरकिंनरउम
नरमइ ५ निरनारितन जेणइ एवरपामीउ त्रिभुवननायकजिन २ मरुदेवीहरषइ गहगहरी आवीआगणा बारि आ
वगाणीकुतावती लूणकुतारइसार ३ नालिकुलगरंगइ कर्गीआहिअरइ आलिंगाणपुत्र हरषितुंगिवइसाराआ ४
जिनरिषभतपभवि ४ पंचविषमेइ सुखलोगवइ हरइ सजननी आस नवलीलोकउलगकरइ स्वामीलील विलास
५ ४४ ढाल घोडवीढाल ३० एकदिनइ सुमंगलाआवोलइरे प्रभुकोइनरीउमक तोलइर १ जेहेलियउराजनर ५

नारेजिमअंवरलु निराधमरेरे २ तनकहइ स्वामीविनीतरे राजगवउनास्तितातेरे तउतेनालिनइआवइरे मासि
करुइनिजवायरे ३ कंविंदकइ आपीरे रिप तेयावनकुमरिरे राजगवइ उमेदे जाइरे आव्यातिसजघाइरे ४ उदकनइ
करलिकुतातए कमलदलइ हिसेजुहारे आवसरिइंइ तिहांआवइ र जिननइराजबइसारइरे ५ मस्तकिमुगटयहि
रावइरे आसरणेअंगरावइरे मस्तकिधरीअलावरे विकुपरिववामरयविरिरि ६ युगलीआलइक लेईआवइरेपगु
नइ अंगुठवरावइरे देषीअतिहिविनीतरे हरषीइंद्र तु हिवरिरि ७ विमातानयरीअछायावउरंगिणमेतीआपीरे
सुरपतिकी धुंकाजरेजिनरायलागवइराजरे ८ १४ ढालउ १ सेमरयलि धुरउलीवइरवसारलागलागवइ युगाहतुकार
तरुवाकुपोदतणाजेउ सुघोघविमानाउ ति १ सुमंगला ऊरविअवतार कुआवलात्यस्तरखकुमार फलयाइसुवा
कुदोइ सुंदरीबाकुवलहो इ २ अघाणुजुव्रअनेरा वलीमातासुमंगलाकेरा शातगायाइ मयरवारपसर
उश्रीनाभिमल्हार ३ हिकइ पालनीतइ ताअटालइजुगा लधर्मनाकाउ उपायनालपातेमोइ वकापंवतियइमा
हिजोइ ४ समस्वआमीलाय घरवामरसाराजताव हि वइनारिवआवसरजाणइ मतिसंयमनावतआणइ ५
ढाल ६ २ ३ २ आवसरजाणीइ जिनदीक्षातणउ नृभरीबोलाविऊए सासलिउमहादानसंवछर दिवाअ
वसरआवीऊऐ लेईमावनकोफिउ जिनमंदिरमकइ वेगिऊ तावलाए तेरुसुणीआणंद रोमावइ घणुंतहा रीवाधइ
कलाए २ निणिसइकोडसुवर्णकोफिअघासीमलाषस मीसघास्पणीए जिनघरिसकीतेआपार लागीअडारदेवलोक
नाणीए ३ जिनवरदइनिउदानमानवतइकरुइ वरवरइपाजेजोइ एकरणकी धुलाकसऊसुपीउं पयं उपदाहिहर ६
इगयाए ४ तउलोकांतिकदेवआवइ सिराकणजिनपरिणावीइमकरुइ एतिभुवनकेरानाथ धर्मप्रवर्तावउलोकमऊ

श्री नहता रिवीय ॥४॥ जिनभगवंत ठंकि विषम भोग एमसारव धास्योय इमकहा गयानिज अमि तउ श्री जिनवर निज सुत भइ सिष्या
दीयहइ ॥६॥ ढाल मुमीनी ॥ टा २२ ॥ अहो अयोध्या तु राज भरतेसर तम्हे करउ ॥ वकुली मंगल देस वाल्हवम तम्हे धरउ
ए ॥१॥ उत्तम अभाए नइ दीधा तउ देस जू जूआ आए करजोड़ी राड़ नी सार तउ तम्हे केर रे हिव इम गयाए ॥५॥ जायइ पाल ज्योराज
तउ कुल तउ वाल ज्योए करयो वेसनार हा तउ लोक नइ पाल ज्योए ॥३॥ इम देई सीष पति भारत तउ जग हित कारणी ए ॥ दिस
म निज्झि आलि ड्यो तउ सव जल तारि णीय ॥४॥ सुरवर किंनर कोडि तउ नत तव्हू ण तिहां हि मि लिय करस्यामी रित्त उच्छव तनमू
रइ एमनरली ए ॥५॥ सेवका तउ पाकरइ ज्ञ तउ लोगत स्तलव सील सिचारथ वन माहि तउ आवइ प्रभ ति मीए ॥६॥ दोइक
सौ उपवास तउ चारित्र कउ चरइए आरि मइ अमुनि माहि तउ संयम भि स्वरूप ॥७॥ विहरइ घर घर गाम तउ वा
लमय सुरत रूप ढाल इवीग माह तउ धनते नारी तरूप ॥ ढाल घोहानी ॥ ८ ॥ आदेजम घर जायइ
विहरता मोइ आणइ हर पश्चयार ॥१॥ रिषभ घरि आवइ इए ॥१॥ तउ नाति नरिद कुल मंडणो माता मुरुदेवी व
रिधरी आ ॥२॥ रिषभ तव कोई घोड़ा कोई पालेषी सेटकरइ आ ॥ पीड़ ३ रिषभ मणि माणिक मोती मणी कोई रतन लरी
आघाल ॥४॥ रिषभ तव सजाति कदाथी लेई कोई राजा दिए ररि संधि कोई निज पुत्री वालडी कोई दइ कन्या हुं दान
॥६॥ रिषभ भ्रमण वि दिई कोई स्रु फल फासु मन नइ पान ॥७॥ रिषभ पत्ता गड भर विहरता तिहां श्रेयांस कुमार त्रिजुग
ऐ अनुपम दिषीया तणइ की धा स्रुपन विचार ॥८॥ रिषभ जाति समरण पामल्यु ॥ तिणे दस सवतणो सनेह ॥९॥ रिषभ ॥ ०
का सक्कर सि विहरावीया इम वरस पाम्य तउ आहार ॥१०॥ रिषभ ॥ पाम्हि म्य तिहां कि पिड आसुरज यरस वरइ जपति ज्ञय ॥ ६
॥११॥ जिहां सलाक रइ पारणो ॥ तिहां कमर नइ कपनी सगति ॥१२॥ रिष ॥ ढाल अंजं वड उदिवराजनु ॥ २५ ॥ वेदन ठाठ

हिवार ऊतुर्ई एमोधा करइ रतनमय पीठ वंधा वइतउ प्रभाव नम णिधरी ए दिनप्रति सेज ऋषयामि तउ भोजन करइ ए मोतीय रुख
कापू राव आ ॥१॥ कगहि चाम णाए ॥२॥ जाइ ऊही मेवर तन णीसारम जम वीए ॥ जोइ ए परम आलंद मन तवन कराए ॥२॥ जिनवर विहर
रता आइ तउ तरूवाल पुराए माजसमग वनपालिमदी धावधामणी ए वलवंत वाहुवल राय नइ जाइ नइ वधा की आए ॥
॥ श्री रिषभ जिणेसर वन माहि आवी आए ॥३॥ ॥ जसाजी ज दद मारुउ ताम पनउ तउ जाए पुप अमुल वए ठाकीय परनील
क मी यसंभम सि स्वरूप लेई कटकनी रिध घणी तइ वादि वाए वालि जगत इस्र रि मोटइ मडाण स्रुं ए ॥ ४ ॥ ते ता तिस प्रभु गया
वेघित उप्रभुविना किरो मिल इए ॥ राय न वेषइ तात वियोग दुख धरइ ए ॥५॥ स्रु व इ एप घीयु वास तात वीग किहां ए राक मरण
करि रतनकिहां धुरि लइ ए ता तात इउ हव णआणी वीआ लिन वांदी आए ॥ इम विलवंता अति घणु प्रधान इए वारी
आए ॥६॥ धर्म वरवक्क करु उ तो मनत ताप तनी समगति मांमण घरि गयो लोगवइ राज तउ वकु अदिमतु ए ॥७॥
ढाल कली नउ ॥ ९ ॥ वरस सहस इम विहरी आ प्रसाम ए देसविदेस नयर उरि रू अमय ॥ जगमती घ सारज्य गत्र
नइ वाल दाय ॥ धन्यरति नर नारि विहरता जे णइ देषी आप नू मिफ तिधन रखि हां प्रयातणी रजपमी ए ॥१॥ हट कपी हाया
ए जे णइ वंद्या निव सुरवर खंदूए आनी तिन इव नउ रेतय फ नजग त्रमंक नहि तूं ए जग त्र मंक ण जि विहरता ए आया पुरि
मताल नगर अयोध्या पासइ जिहां ॥ ताक टसुभट उद्यान तिहां धनइ हक मनल इ ए ॥ कमत इस रि तिसमलु केवल पामीउ य
आवी सुरवर को फिति ताकरइ मछ उछव ए ॥२॥ हट कपी हाया समवतीकोफिकरता भ मोसरण रवा वइए मास ल उ नमरुदेवि
माता जि भवा इ णआव इए ॥ ३ ॥ हटा लक रूवारा वा णरारी ॥ रागसम मेरी ॥ वछ ॥ रिष भ दि द्याली यइ जे वल गइ माता मु 7
रुदेव पुत्र धरइ मवलगइ रुसरि आणीम निश्चणदो हो नयन सरध नइ दिसउ लेमना ॥ ३ ॥ जिग धिग पोराजी वालूआ

कुमरसव्रतकरेसुदिनपोरा ... नही मासरा रिषतसंघेसोनजाणुकिहावलि ... कुमर ... आवइकरि
मियवताव्रउपमइ जेहनुंदं शौलिदे वज्रजौनपामता कुणघरव्यांतातिरिषतमाएणुंतकिंमकरस्कइनआलुंमलिहीर
कता तुढिवनइकीधश्रावसेसयइसुपतिघाकारी पंचिपसमूनेविनलेसमज्ञानसकइसंघरी ... नीमस्रा ... उ
वत्रतिहावीनशरएह हिवइदीजा ... नकृपणकमेलि ... पट्हिन ... घरिभ ... उसुतइस्युत्रखिन
यमंदिरु परिवस्तनीसुरुहि नकर ... नलेसरयसरू र सर ... कार नीमीजकङेवातप
नातश्रम्हारउत्रिभुवनजाणीप सुरनरसेवकतससरू तिहनीलीलाकइश्रति वऊलकमतविनुवनमाहि
वषाणियइएव वषाणीयइजसनामलधइपापजाइ नवतणा दरीनइउगे तिपकी ... कमे ...
तणाएवेनबोल्लामा हिकेहिघालिसिरिहितादराउ चनीइमवरसमपश्रगाया जिवारश्मावाता मवइ
वणीत्र ... वंतकेवलज्ञानपामी नरयनस्वघामणी तेड णीनरथनरेस्वस ... मकदेवयामइ श्रावएवघामणी दि
वमातसुरुनइरिषस्तजिनवरश्रावीश्रा माइऊगीरलए नि उलिजघनेजोवानावीश्रा गयवरषधिवमीपधारीइसक
लदेलमाघइघयामारमरुरपइ केवलपामी मातज्ञासुगतइगया ध टामनसोहंता गिरिणन ... प्रेन म हि हि तर
पनि ... श्रावीश्रा समोसरण त्रिनिहिगढ देषइस्वश्ररू समोसरण मस्तकि छत्रत्रय तलो समोसरण मस्तकि छत्रत्रयतला
समो ... रय विकुप खिवामरमदाठलइ समोप सिंहासन श्रसोक ते सुंदर समोसरण वारइपरषद देसणा सुणइ समो
सरण तिहां बार ... रिषभजीनातनइ समोसरण जिनवरतिहां देसन दिइ समोसरणवाणीजोयनगामणी समो त्रि ७
तवनणी संसारु ... समोसरण ... गणधरस्थापना समोप ... संयमश्रीदरय समोप पावइसइजमरवाडि

वलियइ समो ४ लाप श्रावक सुंदरि श्रावका समो ... संघवई विध ... समो सरण त्रिपदी ... तेउपदेसुं ... समो
सरणं ... तेउघर आवीश्रा समोसरण स्वामी यकरइ विहार समोसरण ... काल ... श्राविका वऊलपनीषत्र ... भरत राज
नीली नरयइलाधी लाई श्रठाणु नइश्राणमनाव्रत ते बल तोकरुणाकराव ... मातइदीधु श्रम्हनइराज श्रम्हे त
होककय तम्हार नकाज ... वली श्रम्हे इव स्कतात सुजाण ... सीमत मानसके श्राण ... श्रम्हे रूठ केरसक
नाहकेराउ तिश्रम्हेलेस्यतां श्रम्हे तम्हेपक जातातना ... तम्ह सरिखुं घर ... व्वसदि रिषत श्रावद्वावइ
पुत्रश्रणाइतिवादिवा जावइ वादीइबइ नरयनीवा नतणु वलतुं कहइ रिषनजी तात ... धर्म मंदिर पद
तवतमतीवरूपरिलाधइतेगवरूपरिलाधनइ लाधी यमुघश्रतिघ ... तणइ मुखिनघयाजत
श्रा ... पणइसुखि किमहोसोल्लम ... विकिमसु धीप ... टक किमसुरकीमकुस्पत ... विषयसुषपीड
पतितणाश्रतिर तरूश्रागारदादकतणाव नयसमवादयभइ श्रीजिनकहइ तेसयलमुतप्रतिबोधपाम्या लेई चारित्रम
तेवरू ... तप तपतांकमेषय तांपाम्याकेवलश्री वरू ... कादिन ... यमनाल ... ते श्रणवलउकरावइ स्पराज
सश्रम्हे सुतरिषतनाए ... वाध नराङ ... काजतेत्र ... श्र ... श्राजमनमाहिं श्रतिघणुं ... २
तिघणुंकटकतेमेलिश्रावइ नरयतेकुलाइरी ति ... रषघाकाजययात काबोल ... लान ... वैरागपामी लिइ दि
हा श्रतिमान तिणकां ... मगारहइ ... तपसगंवरमातम हि ... केवलनपामइ ... दाल ... हलाता ... धर श्र
तिमानके वल नपामइरे ... लाइ त्याति ब्राह्मी सुंदरी मोकल्यां तिवीलहर ... परमधुरी वाणि गजथी ... कीउ ८
... केवलनंपोहरे बाधवगजथकीउतरे ... २ श्राकणी ... सुणी ... रिवानपरसुंनिराय

ला ऊरेरू कीतसी जिहां । किहांगइएतत्रलोकि नरछोलइ मारूरनताय । वाराइमखि मासतोउपनुं । अतिमाननिगइमाणइवादिवा
पगतपाभइ । नववरितंकियलमाणाइ ४ । तउवीराजीईमसमीसरणजेतेडनइट्ठेईप्रदिक्षणा । मारनगतिखिइरडवउ । विमक
लपतउखिंतुवनरणतणउआधारतउ ४४ । ढालउलाला ॥ ४२ ॥ इमवडुलोकनइताति ॥ मोदमदानकवारी । अशपदगिर
आवइकनककमलपदगवइ ॥ तिहांलइअणसणसार । साथइवडुपरिवार साधसदसदसवंगइ । करइसंथारउ एसं
र २ ध्यानगुणश्रेणपामी सुगतिपहुतासामी । अवलअमरअजरामर । ढाल । नवननपत्र । ३ ॥ अनंतज्ञाननइदर्श
न अनंतसुखबलमहीमम । परपयोतितणउआगर गुणम णिरोइणित्तुधर ४ । इसइ एमाखनपदपावइ तिरविरसिं
गअभावइ सुखरमिलीमहिमवकरइकल्याणिकव ब्रवाय । जाईनिजनिजगमिलइ तिहुरियकनतना
म नामिया तिकज्ञाइवुाणपयविवनिवथाई ६ ढालघी ॥ फीनी ॥ इमश्रीरिसहेसरगायोउलपपवित्र एह
तेरसवंतरकिरतमसलवरित्र । ढिवदोइकरजोमी कस्वी नतोआउतुतिमुणिक्कयाधरस्वामीआजिनराजा र
उपत्रावनकरीमइभखिमायुराजरिहु नविमायुसुरसु । खवेलीनविमायुसिदिङ्कं एतलउमायुंरपाकरी दिव
सुख नखिरवलीगाऊयुणयुरुसरउ उफे २ एधवलकरताआणविराधीजेह मुक्ष मिछाम्ह नइरो । कगिनदीसंदेरु २ स
लइनरस्तवलाधुतलइलाधुश्रीजितधर्मउफपायसेवताउटइसगलाकर्म ॥ २ ॥ परकाव ॥ ४४ ॥ इमनाभिनंदननउरितयउ
नजगत्रमेरुनजिनवरू इमगुरुतणइसुपसाउपामीगाइआजयाहितकरू । एइधवलगाइजिनेआराहिइजेरुनरन
रसवदातिसुगतिडामीसुखथाइय ॥ बोलइसेवकउमुमुहा २ ॥ गाथा ॥ २५५ ॥ ढाल ४५ ॥ इतिश्रीधवलबंधसमाप्तं ॥ ८
संवत् १७७ वर्षे चैत्रवदि ४ दिने [illegible] ॥ नागउरेलीपरामध्येनवरधमान ॥ श्रीरस्तु लेखकपाठकयोश्चिरंजीयात

२३